2. वर्ण विचार

कोई भी भाषा सार्थक वर्णों, शब्दों और वाक्यों के सही क्रम से बनती है। व्याकरण शास्त्र के पहले अंग वर्ण विचार के अंतर्गत वर्णों के उच्चारण और लेखन के शुद्ध प्रयोग पर विचार किया जाता है। वर्ण भाषा की सबसे छोटी ध्वनि होती है जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते।

शिक्षण-संकेत

❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से वर्णमाला सुनें।

❖ पाठ पृष्ठ 10 पर दिए शब्दों के उदाहरण द्वारा वर्ण स्पष्ट करें।

❖ वर्ण से जुड़ी कुछ मुख्य बातें भी पढ़वाएँ।

❖ समझाएँ, मुँह से निकलने वाली छोटी से छोटी ध्वनि ही वर्ण होती है। वर्ण के भेदों से अवगत कराएँ।

❖ वर्णमाला के स्वर, व्यंजन, अनुस्वार, अनुनासिक, विसर्ग, स्पर्श व्यंजन, अंतस्थ, ऊष्म, संयुक्त तथा द्वित्व व्यंजनों के बारे में पूछें फिर बताएँ।

❖ स्वर के तीनों प्रकार-ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत स्वर समझाएँ।

❖ समझाएँ, स्वर के भेदों में उच्चारण के आधार पर अंतर किया जाता है।

❖ व्यंजन के भेदों के बारे में बताएँ। स्पर्श, अंतस्थ तथा ऊष्म व्यंजनों को समझाएँ तथा सभी वर्णों का उच्चरण स्थान के आधार पर उच्चारण करके दिखाएँ।

❖ क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्त व्यंजन बनाना बताएँ। छात्रों से इसकी पुनरावृत्ति करवाएँ। द्वित्व व्यंजनों तथा संयुक्ताक्षर से शब्द बनवाएँ।

❖ ड़, ढ़ व्यंजन उत्क्षिप्त व्यंजन हैं। ये ड, ढ से भिन्न ध्वनि हैं तथा इनमें कोई व्यंजन प्रारंभ नहीं होता, बताएँ।

❖ बताएँ, अनुस्वार, अनुनासिक तथा विसर्ग को अयोगवाह कहते हैं। इनका प्रयोग समझाएँ। आगत स्वर 'ऑ' का प्रयोग अंग्रेज़ी शब्दों के हिंदी लेखन में किया जाता है। नुक्ता के बारे में स्पष्ट करें।

❖ 'र' के रूपों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाएँ तथा फिर छात्रों से इनका अभ्यास भी करवाएँ।

❖ वर्ण-विच्छेद करना छात्र पिछली कक्षाओं में सीख चुके हैं। ब्लैकबोर्ड पर कुछ शब्द लिखें और छात्रों से उनका वर्ण-विच्छेद करवाएँ।

❖ सभी छात्रों पर अपना ध्यान बनाए रखें। 'अब तक हमने सीखा' के अतंर्गत दिए बिंदुओं के द्वारा पाठ के मुख्य बिंदुओं की दोहराई करवा लें।